Budha Dal Public School Patiala (8 September 15)

UNIT - I

Class - VII

Hindi

Time: 3 hrs. **MM: 90**

खण्ड क (पाठ्य पुस्तक)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दें: (5)

बुलबुल चिड़िया जिस चमन में निवास करती है, उस चमन से वह बहुत प्रेम करती है। बुलबुल जिस चमन का अन्न-जल ग्रहण करती है, जिन डालियों पर अपना बिछौना बनाकर खेला करती है, जिसकी सुगंधित हवा से प्रसन्न होकर वह जंगलों में अपने स्वर का गुंजन करती है, उसी चमन पर जब कोई मुसीबत आती है तो उस चमन के बचाव के लिए वह अपने को बलिदान भी कर देती है। जब उस चमन में आग जैसी विकट विपदा आती है तो वह चमन छोड़कर नहीं जाती, बल्कि उसी चमन के साथ भस्म हो जाती है। चमन के साथ उसके प्रेम का यही स्पष्ट प्रमाण है। इसी प्रकार मनुष्य की भी गाथा है; मनुष्य भी जिस धरती की गोद में खेलकर बड़ा होता है, उसकी रक्षा के लिए बलिदान देने को तैयार रहता है। राष्ट्रप्रेम की भावना के कारण ही समय आने पर राष्ट्रप्रेमी अपने राष्ट्र के लिए खुशी-खुशी बलि हो जाते हैं।

1. बुलबुल चिड़िया किससे बहुत प्रेम करती है?
2. बुलबुल किससे प्रसन्न होती है?
3. बुलबुल चमन में कब भस्म हो जाती है?
4. मनुष्य किसकी रक्षा के लिए बलिदान देने को तत्पर रहता है?
5. शब्दों के विलोम शब्द ढूँढ कर लिखो - घृणा, अप्रसन्न

प्र2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (5)

हाथी से हाथी जूझ पड़े,
भिड़ गए सवार सवारों से।
घोड़ों पर घोड़े टूट पड़े,
तलवार लड़ी तलवारों से।
होती थी भीषण मार-काट,
अतिशय रण से छाया था भय।
था हार-जीत का पता नहीं,
क्षण इधर विजय, क्षण उधर विजय।

मेवाड़-केसरी देख रहा,
केवल रण का न तमाशा था
वह दौड़-दौड़ करता था रण,
वह मान-रक्त का प्यासा था।

चढ़कर चेतक पर घूम-घूम,
करता सेना की रखवाली था।
ले महा मृत्यु को साथ-साथ,
मानो प्रत्यक्ष कपाली था।
रण बीच-चौकड़ी भर-भरकर
चेतक बन गया निराला था।
राणा प्रताप के घोड़े से,
पड़ गया हवा का पाला था।

गिरता न कभी चेतक तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था।
वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था।

1. युद्ध में किस बात का पता नहीं था? (1)
2. मेवाड़-केसरी क्या नहीं देख रहा था? वह क्या कर रहा था? (2)
3. चेतक के तन पर क्या नहीं पड़ता था? (1)
4. चेतक कौन था? (1)

खण्ड-ख (व्याकरण)

प्र3. निर्देशानुसार करें:

1) वर्ण विच्छेद करें : पैसा, प्रकाश (2)

2क) अनुस्वार का प्रयोग करके लिखें: चञ्चल, पख (3)

ख) अनुनासिक का प्रयोग करके लिखें: मुह, कुआ

ग) नुक्ता का प्रयोग करके लिखें: फरियाद, जख्म

3) संधि विच्छेद करें: लघूत्तर, सतीश (2)

4) पर्यायवाची शब्द लिखें: (कम से कम दो शब्द): आँख, कपड़ा (2)

5) विलोम शब्द लिखें: आरोह, कायर, चल, उर्वर (2)

6) मूल शब्द और उपसर्ग अलग करके लिखो: सपरिवार, अतिरिक्त (2)

7) समास विग्रह करके लिखें: रोगग्रस्त, पूजाघर (2)

8) शब्द शुद्ध करके लिखो: नदीयाँ, बहिन, त्यौहार, कृप्या (2)

9) वाक्यों में उद्देश्य तथा विधेय छाँट कर लिखें: (2)

- मोहन थककर सो गया।
- नेता जी सेना तैयार कर रहे हैं।

10) रेखांकित कारक का उसके सही भेद से मिलान करें: (2)

- सैनिक घोड़े पर सवार है। - संबंध कारक
- वह गाँव से चला गया। - कर्ता कारक
- दिव्या की बहन बीमार है। - अपादान कारक
- राधा ने बाँसुरी ले ली। - अधिकरण कारक

11क) राघव ने खीर खाई। (रेखांकित संज्ञा का भेद बताएँ) (3)

ख) देखकर लाना चाहिए, पानी में ..... गिरा है। (उचित सर्वनाम शब्द भरें)

ग) वह लड़की रंगोली बना रही है। (विशेषण छाँटिए)

12) विराम चिह्न का प्रयोग करके पुनः लिखें: (3)

- वाह सचिन का जवाब नहीं
- पाप पुण्य सब ईश्वर के हाथ है
- बाहर कौन खेल रहा था

13क) मुहावरों के अर्थ लिखो: हाथ मलना, अंधे की लाठी (3)

ख) मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग करें: नमक मिर्च लगाना, एक आँख न भाना।

खण्ड-ग

प्र4क) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखो: (3)

पावस, श्यामला, शेष, साक्षी, अठखेलियाँ, नेकी

ख) निम्नलिखित शब्दों के वाक्य बनाएँ: (3)

कुरबानियाँ, प्रतिष्ठित, कीर्ति

प्र5) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

क) बाबा भारती अपना समय कैसे बिताते थे? (1)

ख) कर्णावती ने दूत के हाथ क्या भेजा? (1)

ग) जेलर को बेड़ियाँ डालने के लिए क्या हिदायत थी? (1)

घ) मिठाईवाला किसलिए मिठाइयाँ बेचता था? (2)

ङ) खड्गसिंह ने सुलतान को कैसे प्राप्त किया? (2)

च) एकांकी के आधार पर कर्णावती का चरित्र चित्रण कीजिए। (2)

प्र6) खड्गसिंह ने क्या सोचकर घोड़ा वापस किया और उसे बाबा भारती तक कैसे पहुँचाया? (5)

प्र7) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें: (5)

सरदी के दिन थे। रोहिणी स्नान करके अपने मकान की छत पर बाल सुखा रही थी। उसी समय नीचे की गली में सुनाई पड़ा—बच्चों को बहलानेवाला, मिठाईवाला।

मिठाईवाले का यह स्वर परिचित था। झट से रोहिणी नीचे उतर आई। वृद्धा दादी से बोली, "ज़रा उसे बुलाइए ना, बच्चों के लिए मिठाई ले लूँ।"

दादी उठकर बाहर आकर बोलीं, "ऐ मिठाईवाले, इधर आना।"

मिठाईवाला निकट आ गया। बोला, "माँ, कितनी मिठाई दूँ? नई तरह की मिठाइयाँ हैं—रंग-बिरंगी, कुछ-कुछ खट्टी, कुछ-कुछ मीठी और ज़ायकेदार। इन गुणों के अतिरिक्त ये खाँसी को भी दूर करती हैं। कितनी दूँ? पैसे की सोलह देता हूँ।"

1) रोहिणी छत पर क्या कर रही थी?

2) उसे गली में क्या आवाज़ सुनाई पड़ी?

3) मिठाईवाले ने मिठाइयों के कौन-कौन से गुण बताए?

4) वह एक पैसे की कितनी मिठाइयाँ देता था?

5) गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

भाग (घ)

प्र8. किसी एक विषय पर अनुच्छे रचना करें, संकेत बिंदु सहायता के लिए दिए गए हैं:

स्वतंत्रता दिवस/ 15 अगस्त

संकेत: स्वतंत्रता मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार, कठिन संघर्षो से स्वतंत्रता प्राप्ति, मनाने का ढंग, भारत के सौभाग्य का दिन (5)

अथवा

सत्संगति

संकेत: मनुष्य-सामाजिक प्राणी, श्रेष्ठ संगति से सद्गुणों में वृद्धि, बुरी संगति का विनाश, संगति मानव को अच्छा-बुरा बनाती है।

प्र9. अपनी कॉलोनी 'रणजीत विहार' में अस्वच्छता हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखें। (5)

अथवा

प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए जिसमें विद्यालय में खेल के सामान की कमी दूर करने के लिए प्रार्थना की गई हो।

प्र10. ताजमहल की सैर को लेकर सोहन और मोहन के बीच संवाद लेखन लिखें। (5)

प्र11. 'फेतान' पंखे के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)

प्र12. दिए गए चित्र को देखकर 20-30 शब्दों में उसका वर्णन कीजिए: (5)